>

Title: Need to honour the freedom fighters of First War of Independence.

श्री हंसराज गं. अहीर (चन्द्रपुर) : महोदय, हम भारतीय स्वाधीनता संग्राम की 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, स्वाधीनता के लिए देशव्यापी संघर्ष में अनेक स्वाधीनता सेनानियों द्वारा इसमें सहभाग लिया गया, लेकिन स्वाधीनता संग्राम के इस इतिहास का आज भी सर्वव्यापी इतिहास उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इस स्वाधीनता संग्राम के अनेक स्वातंत्र्य वीर एवं वीरांगनाओं द्वारा स्वाधीनता के लिए आहुति दी गई। उनका स्मरण आगामी पीढ़ियों के लिए होना आवश्यक है। इसके लिए आवश्यक उपलब्ध दस्तावेजों का प्रमाणीकरण कर स्वाधीनता के लिए संघर्ष करने वाले वीर और वीरांगनाओं की समग्र जानकारी देश के सभी क्षेत्रों में उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। आज के विज्ञापन युग में टी.वी., इंटरनेट तथा अन्य माध्यमों का उपयोग कर 1857 के महासंग्राम की यादें कायम रखकर नयी पीढ़ी को इससे प्रेरणा लेने के लिए सरकार द्वारा एक कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है। हमारे गोंडवन क्षेत्र के वीर बाबुराव शेडमाके द्वारा अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र बंूति में शहादत दी गई। उनके इस स्वर्णिम इतिहास की यहां पर बच्चे और बूढों द्वारा आज भी स्मरण किया जाता है। उनके शहादत स्थल पर मेले लगते हैं। ऐसे आदिवासी, जनजातीय तथा इसी तरह से स्वाधीनता सेनानियों को आज भी विस्मरण किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि देश के ऐसे विस्मृत, ज्ञात और अज्ञात स्वाधीनता सेनानियों के इतिहास को आज की पीढ़ी से रूबरू कराने के लिए इनके स्मृतिवित्र के रूप में डाक टिकट जारी किये जाने चाहिये। डाक विभाग द्वारा इस वर्ष इसे एक मालिका के रूप में कार्यक्रम जारी कर सभी स्वाधीनता सेनानियों की डाक टिकट जारी करें और आज रेलवे द्वारा टिकट और रेलों पर विज्ञापन पूकाशित किये जा रहे हैं। इन विज्ञापन के साथ अगर 1857 के स्वाधीनता संग्राम में सहभागी वीर और वीरांगनाओं की वित्रों के साथ जानकारी पूकाशित की गई तो आज की पीढ़ी को उनके बारे में जानकारी हासिल करना संभव होगा और वे उनके पेरक व्यक्तित्व से पेरणा ले सकते हैं। मैं सरकार से इस मामले में संज्ञान लेकर उक्ताशयनुसार कार्रवाई करने मे बारे में मांग करता हूं। 1857 के स्वाधीनता संग्राम में देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्वाधीनता के लिए संघÂाऩ कर रहे इन वीर और वीरांगनाओं की स्मृति कायम रखने तथा उन्हें शूद्धांजलि देने हेतु इस पूकार की कार्रवाई सरकार करे।